राज
कॉमिक्स
प्रेत अंकल

फानी शत-
कड़कड़ाती बिजलियों -
1207
और मूसलाधार वर्षा के बीच।
COYAL
कड़ कड़ाहट
कड़ कड़ाहट
COYAL
उस नन्ही मासूम के हलक से निकल रही थी... एक चिल चहला देने वाली...
चीख!!
COYAL
चीखती हुई मासूम यूं भागी जा रही थी, जैसे कोई उसके लहू से

मौत के भय ने जैसे उसके पांवों को 'पर' लगा दिए थे।

बचाओ sss

कथा. टी.ऊ.सिप्पी

प्रेत

दरवाजे आंखें फाड़-फाड़ कर वातावरण की तलाशी सी लेने लगे-

अरे! कहां गई वह पिल्ली?

अभी तो यहीं थी।

मुझे तो लगता है कि वह निकल गई हाथ से।

दरवाजे के भय के कारण वे वह दो व्यक्ति, जो उसकी जिन्दगी को मौत में बदलने को व्याकुल थे।

ओफ्फ! और तेज भागो गोगा... वह लड़की हाथ से निकली जा रही है।

लेकिन तब तक मासूम शुभ में खो चुकी थी।

अंकल

चित्र.विनोदकुमार | सम्पादक-मनीष गुप्ता

सुलेख एवं रंगसज्जा. सुनील

फिर संभल कर उठी तो-

??

यह अंकल तो बहुत ताकतवर लगते हैं... वह जरूर मुझे उस गुंडे से बचा लेंगे!

उधर बेतहाशा भागती मासूम छोकर का गिरि-

छपाक आहSSSSS

गूंजती चली गई उस मासूम के कंठ से निकली दर्दनाक चीख।

छपाक

छपाक

दुसरी घड़ी नन्ही जान के होंठों पर प्रार्थना-

अंकल... अंकल प्लीज, मुझे उस गुंडे से बचा लीजिए।

वे...गुंडे
मुझे अभी मार डालेंगे।
उन्होंने मेरे मम्मी पापा...को मार डाला... उनका सब लूट लिया... और अब मुझे... भी (सुबुक)
पलटा वह रहस्यमयी शख्स-
वे तुम्हारा कुछ नहीं बिगाड़ सकते बेबी।
नहीं sss
उस मासूम की नहीं sss हत्यारों के कानों तक भी पहुंची-
वह लड़की इधर ही कहीं है?
हां, उसी के चिल्लाने की आवाज़ थी।
ओफ्...मेरा इतनाकर चेहरा देखकर यह बच्ची तो बेहोश हो गई।
हत्यारों को वहां पहुंचते ज्यादा देर न लगी-
वह रहा।
खत्म कर दो।

दोनों के चाकू... मासूम का खून बहाने को झपटे-
इससे पहले कि वो उसके जिस्म को छू पाते-
पलट कर देखा तो...
नाच उठा बहशत।
या...ये क्या है बोबा ?
य..यता नहीं...!
उनकी नसों से बहता खून जम सा गया।

शैतानी हाथ उनकी गर्दन नापने ही वाले थे कि-
गोगा।
भागो पेप्सी।
फिरते जैसे दोनों के पांवों में पर लगा गए
पेप्सी वह लड़की...।
तुम क्या सोचते हो वह शैतान छोड़ देगा उसे।
सच मुच उसके पांव बढ़ रहे थे, नन्ही जान की तरफ।
धौंकनी के समान चलती सांसों के साथ प्रविष्ट हुए पेप्सी और गोगा-
हफ-
हफ।

अन्दर हकला और पेजावा उन्हीं के इंतजार में थे-
कर आए खत्म उस लड़की को ?
न...नहीं।
क...क...क्यों... तुम दोनों तो स्वयं क...क...को बहुत बड़े हत्यारे मानते हो। फिर एक कच्ची साल की लड़की क...क...को न मार सके ?
अचानक से सैंकड़ों भयंकर घटनाएं बयान कर दी थीं उसने...
मेरे ख्याल से वह शैतान... उस लड़की को भी नहीं छोड़ेगा.. पर... अब... हमें शीघ्र ही यह जगह छोड़ देनी चाहिए।
क्या ऽऽ...भ.भ.भूत।
?
हां, इसे बेचकर खर्चे के पूरे नहीं होंगे।

डरावनी गुफा- जहाँ सचमुच का डरावना कानून-
एक मुट्ठे सी दे बाप... कहीं ऊँऊऊ उस राजा तो चिलम बुझानी पड़ेगी।
साधुअलमस्त जहाँ बेख़ौफ़ बस्ती में रहती थीं।
खून पीना मना है।
तो साधुअलमस्त को अपनाकर चंपाजा के तौर से गुजरना पड़ता था।
एक सुरंग तो, कल के लगालेने के जरा मुझे!
उसी दम ऊँऊऊ जैसे चमत्कार होना-
ऊँऊऊ, अ राजा... चिलम बुझा... कहीं हमें ये न कह दे।
मुझे तो ऐसा लगता है कि वह उस बच्ची का खून पीना चाहता है।
यह तो अपनी कब्र पर राजा था... पर किसे उठा लाया?
पर मैं ऐसा नहीं करने दूंगा।

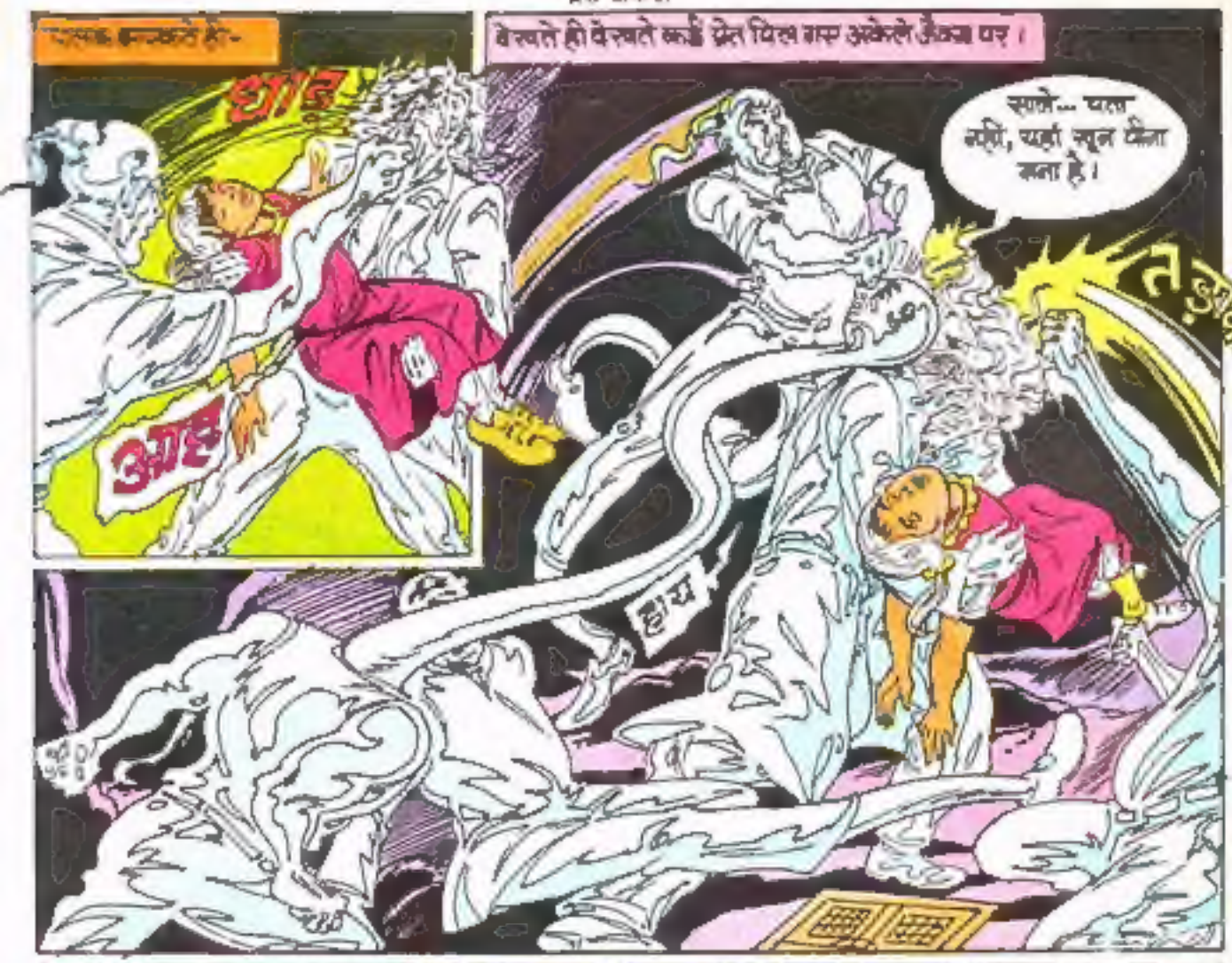
एक झटके से-
झाड़
आह
देखते ही देखते कई प्रेत मिल गए अकेले ऊँकड़ पर।
सपने... यहाँ नहीं, यहाँ खून पीना मना है।
तड़ाक
हाय

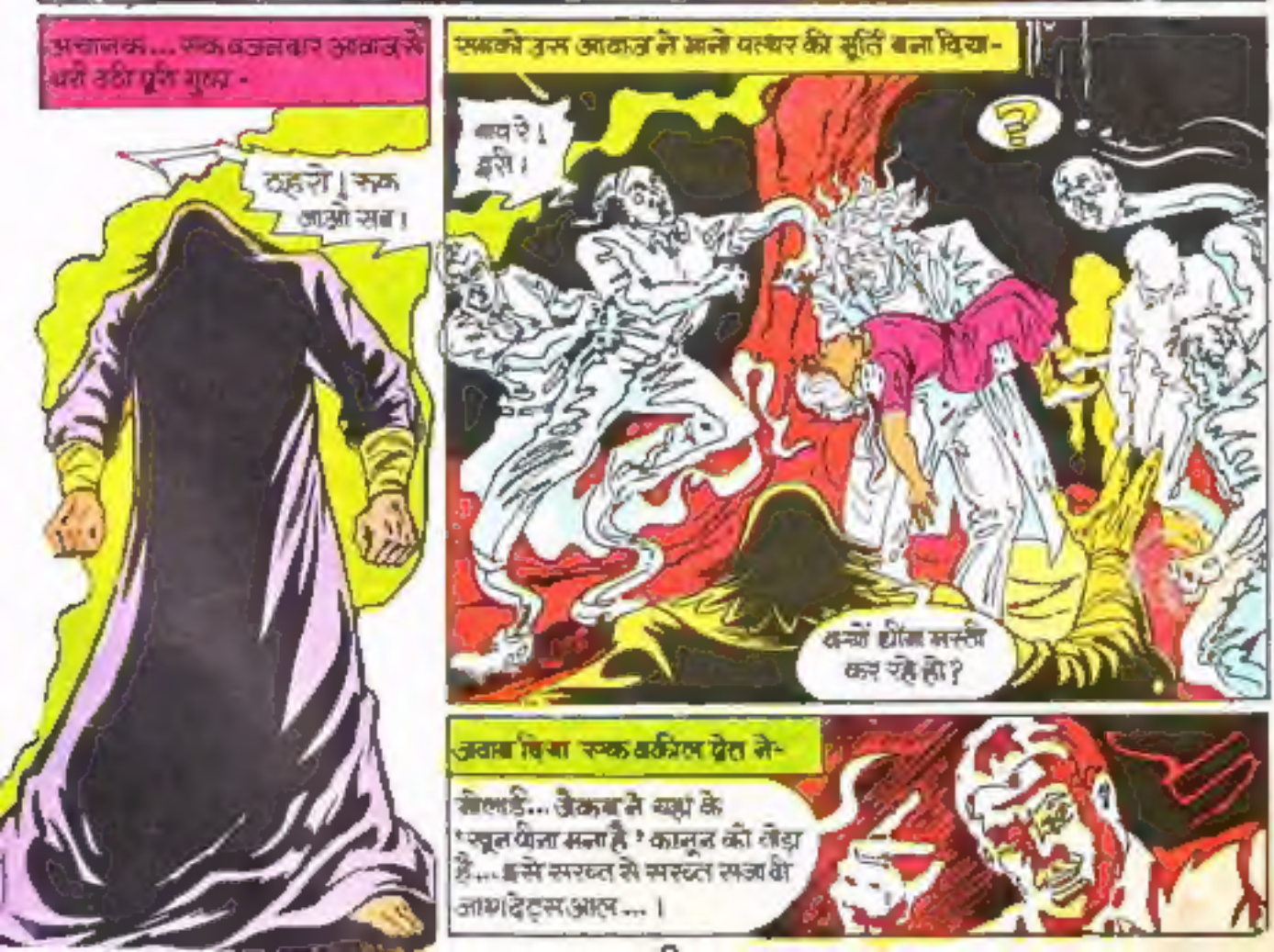
अचानक... एक वजनदार आवाज़ से भरी उठी पूरी गुफा -
ठहरो! रुक जाओ सब।
सबको उस आवाज़ ने अपने पत्थर की मूर्ति बना दिया-
क्या रे! इसे।
?
क्यों ढीला मत्था कर रहे हो?
अब क्या किया एक अकेले प्रेत ने-
खोलडी... ऊँकड़ ने यहाँ के 'खून पीना मना है' कानून को तोड़ा है... इसे सख्त से सख्त सजा दो आय देट्स आल...।

क्यों भैरव ?
नहीं हरि... मैं इसे खून वाले के लिए नहीं बल्कि...
इधर-
कल सुबह मैं और बाबा के साथ चले जाएंगे और वहां पहुंच कर गुप्त रूप से रहेंगे
सुबह होते ही हम दोनों अलग हो जाएंगे
आगे की बात सुन
मेरे साथ आओ
अरे... ये तो बहुत ही खतरनाक है... इसे तुरंत खत्म कर देना चाहिए
बेचारे... दुर्भाग्यवश आप पुत्र खो चुके हैं... इस पुत्र को बहुत सम्भाल
लेकिन... लेकिन... कैसे ? मैं अपने सगे भाई के... के खून से अपने हाथ कैसे रंग सकता हूं ? क्यों कि तुम्हारे लड़के ने मेरे लड़के की हत्या की है
अचानक हरि को शुक्र में
होश में आ जल्दी उठ !
अरे... ये मैं कहां हूं ? और मेरे साथ यहां क्या हुआ ? मुझे कुछ याद क्यों नहीं आ रहा ?
अचानक उसे अपने ऊपर हमला करने वाले की याद आई
ओह... अब मैं समझा ! मैं यहां कुरुक्षेत्र पर आया हूं ?

मैं मक्का पहुंच चुका हूं... मेरा यह मेरे कुछ काम...
या या पैगम्बर... के मैं आपका एक अकल कहूंगा.
अहा... वे कौन से मैं मुसलमान बनना चाहते हैं?
पहले मेरे भतीजे अबान अबान को मालूम हो सकेगी उसका मुझे विश्वास
मैं मुसलमान हूं कौन से या या... दोनों तरह अत्याचार अन्याय मैं मुसलमान मेरी अत्याचार की थी।
जैकब?
जैकब के चेहरे से भावनाएं प्रकट हो रहे थे-
पिताजी, मुझे आपके आदेश के कारण मेरे मन में भारी संघर्ष... अभी तक मैं कौन का मजहब पहचान नहीं पाया हूं।
परन्तु अब मैं अपना उद्देश्य पाने में मुझे मुसलमान के विरुद्ध उन सारी को बहुत भयंकर लगेंगे।
हृदय के भावों को शब्दों में व्यक्त करते हैं-
नहीं... जैकब कोई धर्म को अपना धर्म नहीं है बदला का अपना निशाना है और मुझे भाई को कहां तुरंत अपने साथ छोड़ देंगे।
ठीक है, मुझे ...अब तुम्हारी इच्छा कोई परिवर्तन करने की लेकिन तो ... मैं अपने भतीजे को परेशान नहीं करूंगा भाई मुसलमान बनने के बाद मुझे
मेरी सारी सम्पत्ति का उत्तराधिकारी तो अपना को मुझे है मुझे मैं अपने को मुसलमान बनाने के बाद मुझे

पुनर्नवा पुनर्नवा !
गुंडा..
?
हा हा हा
पुनर्नवा पुनर्नवा
आज तेरा बाप भी आकर
तुझे नहीं बचा सकता पगली
पुनर्नवा
एक गहरा... चक्र
गुंडा
अच्छी पुनर्नवा

मुझे लगता है कि कहीं कुछ गड़बड़ है।
मुझे भी ऐसा ही लगा था।
मैं... मैं उसके सच क. क. का अर्थ निकालने की कोशिश कर रहा हूँ।
क... कि... यह सचमुच किसी को अपने दिल की बात बताने का संकेत तो नहीं है।
सुबह-सुबह दरवाजे पर दस्तक सुनकर मैं बिस्तर छोड़ता हुआ बड़बड़ाया –
कौन है।
रुको जरा।
मैं, मैं हूँ।
मैं हूँ, मैं कौन?
दरवाजे से कोई कुछ अजीब
मैं बदनसीब हूँ जिसे तुम्हारा दर्शन होता है।
?
?
?
तुम?
कौन हो तुम?
हमारा पता कैसे लगा?
मेरे पिताजी सरकार का पता लगाना कोई मुश्किल काम नहीं।

ডি.. ডি..
ডি..

सरदार पेंगुलो का हाथ ने चल चुका था–
आह!
छूट गई बोतल –
उफ्, बेवकूफ यह क्या किया?
अरे, यह तो वही बोतल है जिसमें यह जादूगरनी प्रेत अंकल को कैद करके रखी हुई थी।
और अगले क्षण ने लपक लिया उस बोतल को।
प्रेत अंकल!
अरे, ये तो बच्चे हैं... बोतल लेकर भाग रहे हैं
तुम पकड़ो उसे, अगर तुमने बोतल खोल दी तो मैं प्रेत तुम सबके का बलि चढ़ा दूंगा!
पकड़ो उसे?

अब एक नया बवाल मुन्नी के पीछे, लड़कों का झुंड आ गया -
क्या हुआ है?
सब इस पंजाबी कौए की वजह से हुआ है
अंकल जी, आपने उसकी गर्दन क्यों दबाई थी?
अंकल
हाँ बेटा, मैं बिल्कुल ठीक हूँ।
ओह? मेरे अंकल अब कितने अच्छे हैं।
आभार... यह आदमी सोच में न आता तो सच प्रहार को मैं सह कर चुका होता।

हे भगवान! मेरे पति को सद्बुद्धि दो, वे अपने भाई से युद्ध न करें।

हनुमान मंत्री जुम्बो तुम दोनों मकड़ू के चमड़े इकट्ठा करो।

जो हुक्म इशे।

इधर मंत्री जुम्बो और मंत्री मकड़ू आ रहे थे-

मंत्री जुम्बो, हमें चमड़ा में बहुत प्यार करता है इसका मतलब ये हुआ हमें अभी कई साल तक यहां रहना पड़ेगा। क्योंकि जेकब को मारने का कोई उपाय नहीं।

तभी अचानक जेकब को कुछ याद आता है... तब तक ना चिन्ता के मुझे तरकीब सूझी।

मैं सोच रहा हूं, क्यों न हम जेकब को पकड़ किसी तरह से इसकी खाल को निकाल लेंगे। फिर हम यहां से भाग जाएंगे।

तभी एक आवाज आती है

पर हम पकड़ेंगे कैसे?

नहीं। हम पकड़ने का सिर्फ एक ही तरीका प्रयोग कर सकते हैं।

मुझे तो बड़ा मजा आएगा जब एकड़ में आग लगेगी तो पकड़ा जा सकता है

तभी अचानक जोर से आवाज आती है

यानि मकड़ू को आग लगा दो

ना बाबा ना, कैसे पकड़ूंगा इन दोनों को?

सुबह का वक्त

हनुमान मंत्री जुम्बो जेकब के सामने है

कौन?

???

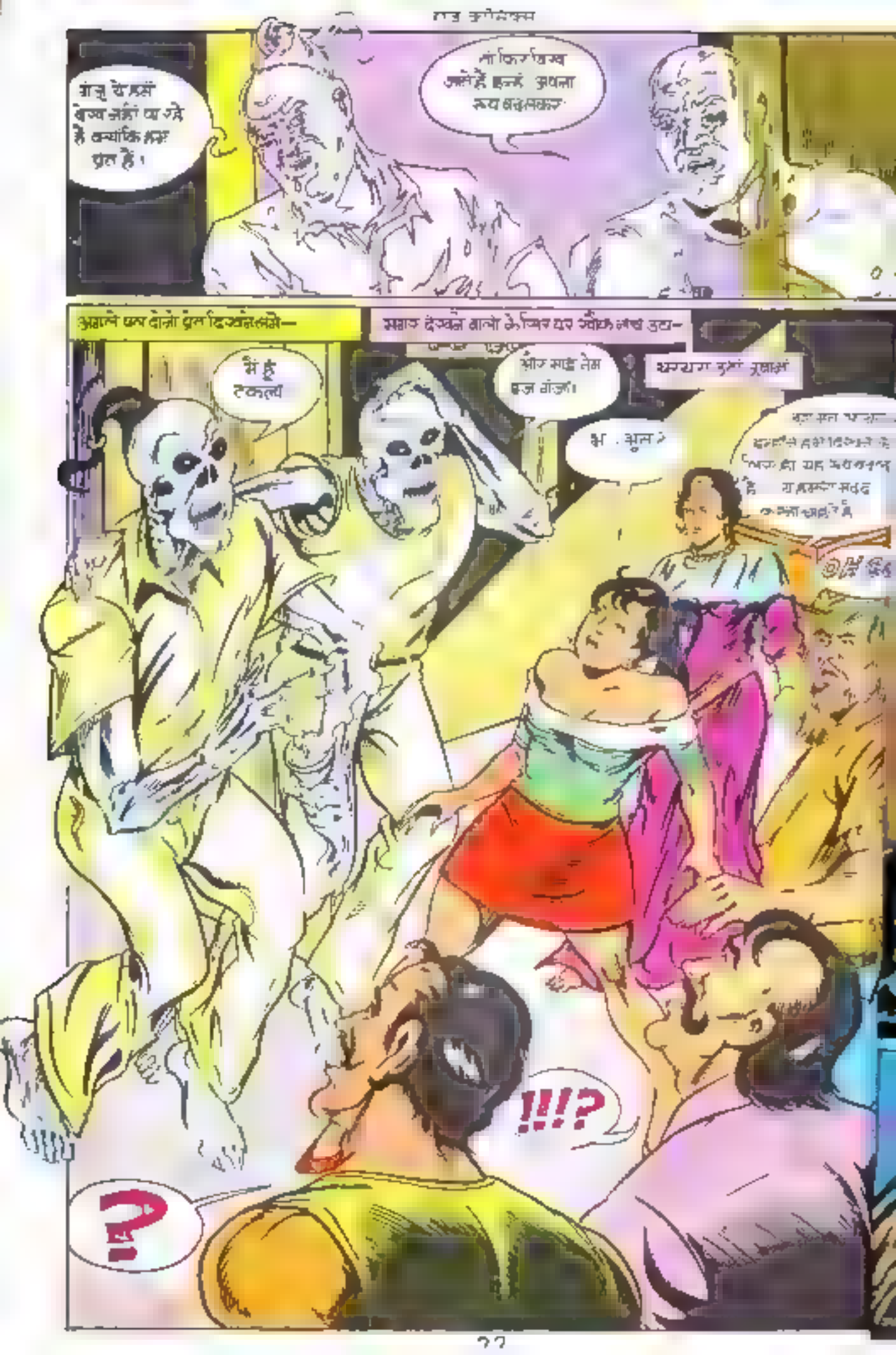
मानू ये लोग बेवजह नहीं आ रहे हैं क्योंकि हमारा दुश्मन है।
आखिर ये लोग हमसे क्या चाहते हैं?
आखिर उस दोनों ने दिखाई—
मैं हूँ एकलव्य
और साहूँ लेना हमें जीतना।
!!!?
!!?

यह नुस्
मुझे पकड़ो
ठीक है नुस्र तुमने पकड़ लिया,
तब तक मैं नाश करने में अग्नि
कुंड तैयार करती हूँ, जिसमें
इस देवी अपहृति करके मुझे सदा
निर्मुक्त प्राप्त करनी है
हम चुहिया मार
और उनकी आत्मा
यह किसका
कार्य होना चाहिए?
मैंने उन
चारों कन्याओं के मैंने
हत्या करके यहाँ दफन
कर दिया था...
तब से
तब से
रोज रात को मैं
उपासना करता था
एक फूल खाकर
स्वयं मुझसे आत्मा
अंत करने की
कोशिश करता है।

गहरे कामसूत्र
बेबी!!
बेबीss
अरे ! कहाँ चली गई... अभी तो यहीं थी
अचानक स्थान परिवर्तन -
ट...कला?
गुरुजी के पास है ना सब साथ चलो

अहो
अंकल

अचानक–

कुछ को होश संभलने तक भी मालूम–

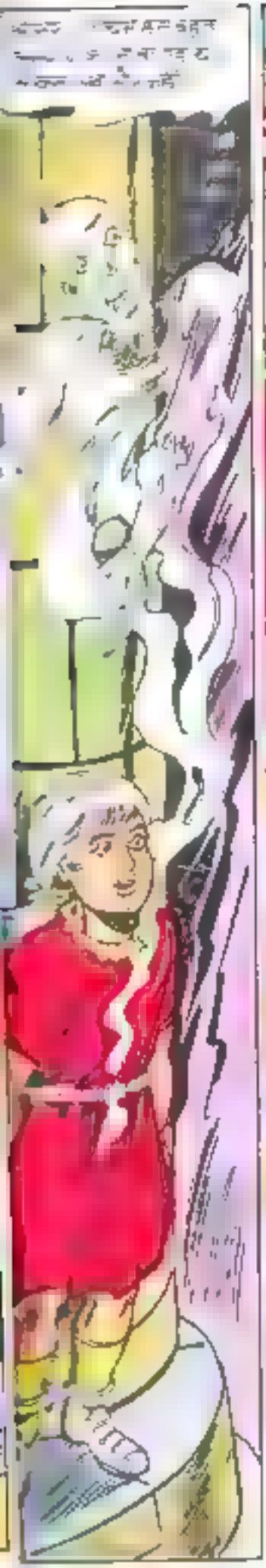

तुरंत रूप को तुरंतकर हास्पिटल पहुंच गया सबके–

इधर टकलीका हास्पिटल देखकर भय से भर गई आंखें–

लाभो-
छुड़ा लो
चलो नहीं बचेगा अब तू
गंदू न भो
उसके बेटे का
स्वेच्छा ?
उसकी मां-बाप को आग लगा दो
अब तू स्वयं अपने इस अभिकर्ता की उपस्थिति का स्वाद चख।

आह ssss
आह ss..आ आ ssss
आआआ ssss

पापा !!
बेटी !
पापा !!

बेटी।
मरने से पहले।

कब हुआ?
खड़ खड़
खड़ खड़ खड़

फुंssss
फुंssssss...

मैं तुम्हारा इंतजाम करता हूँ।
ना प्रोब्लम... मैंने व्यवस्था, इसके कमरे पहुंचता है।
मैं तुम्हारा इंतजाम करता हूँ।
मैं तुम्हारा इंतजाम करता हूँ।
मैं तुम्हारा इंतजाम करता हूँ

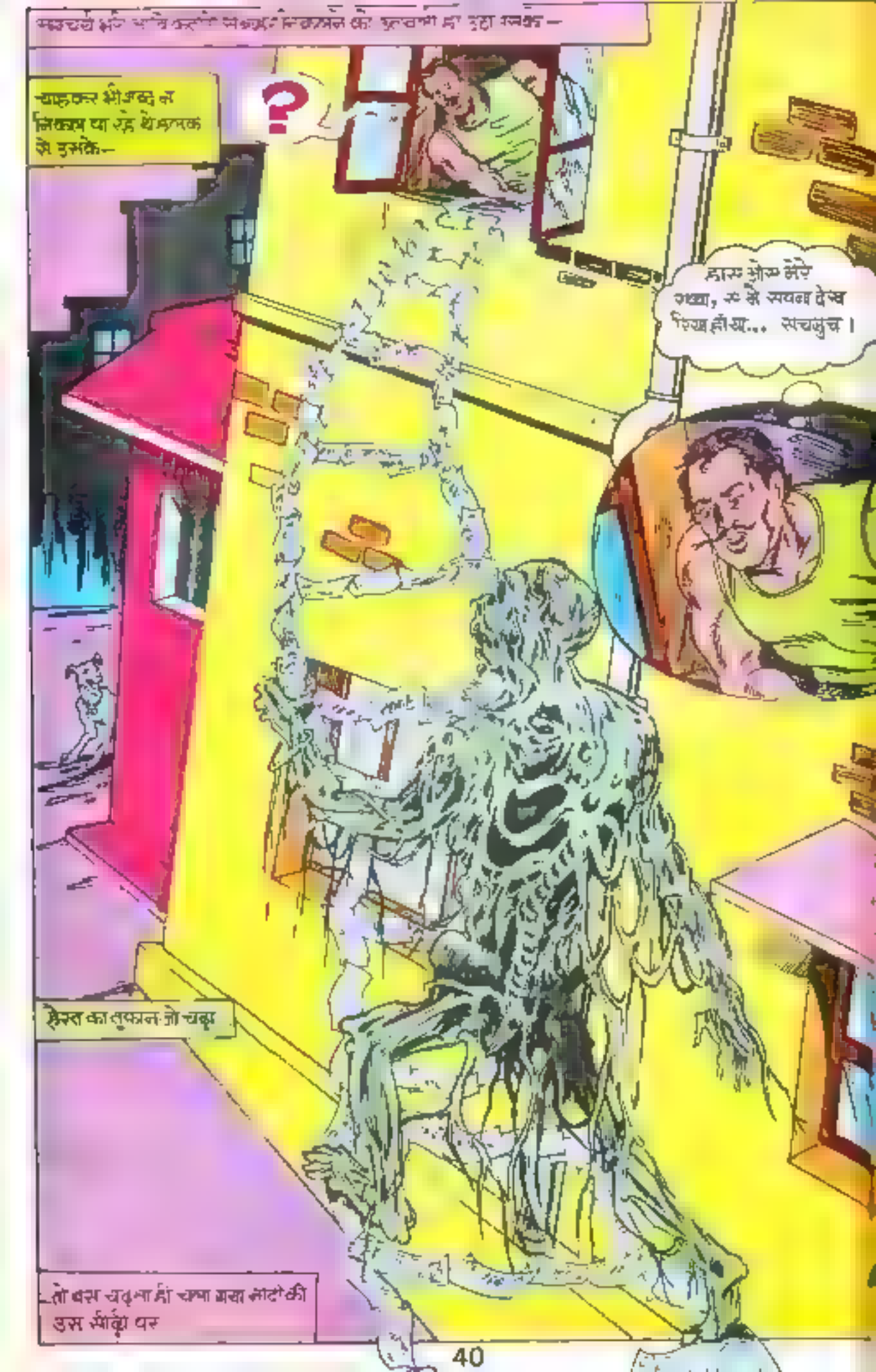
चौंककर भौंकने वाले
कुत्ते की तरफ
से इसके—
?
काम भी कम मेरे
भइया, न के सपना देख
रिया हौंय... सचमुच।
—तो बस चढ़ना ही था मुझे नाटों की
उस पीढ़ी पर

झपट कर पकड़ लो उसको पहले कि वो
सोचो
वह क्या सोच रहा है उसे पकड़ो
जाने दो

यह क्या... मालवा का सिंहासन...
एक नवयुवक ने कुछ अजनबियों के साथ हमला किया था
बाहर का कमरा भी नहीं है।
अंधेरे कमरे में चारपाई
अरे... महाराज मालवा का सुरक्षा कवच भी अपने को उसका नाम याद नहीं आया
कमाल है बाहर तो कहीं सूरज का उजाला नहीं, फिर भी पेड़ों का सिर इतना चमक रहा है।
अरे को भी याद नहीं आया 'हीरो' से मेरे को क्या रिश्ता था
उधर हाँ की ओर बेहोश पड़े आदमी का कैमरा की ओर
कहाँ से मिलेंगे ये

उधर रवेल खान —
किसका नाम पूछा साला उसके दो करूंगा
यह हमारा ही खानदानी साथी है।
पत्ता की बात सुनकर पल्लव दिल रवेल भी एक बार क्रोध उठा—
मोह! रवेल खान किसको क्या उसकी पांच हजार कलदार पूंजा
ये देखे कल सुबह।
एक और काम है।
बोली।
हमें एक रिवॉल्वर खरीद लाना पैसे की फिक्र मत करो
एक मिनट—
तो... मतलब उस दलाल को पचास हजार, पांच रिवॉल्वर खिलाने के।
रिवॉल्वर कुछ ज्यादा?
उधर रवेल को पचास हजार देना है तो उसे रास्ते से कोई हटाना तो हटाना करना ही पड़ेगा।

अरे, यह अदेखी कहां?
हाहाहा।
सोना पचास हजार की अंगूठी... हमारे पेट मारने लिए ये हैं
- इसे कहते हैं
- हाहाहा-
हाहाहा।
हा हा
हाहाहा

हा हा हा... होगा, वैसा ही, जैसे मैं तुम्हारे खून का प्यासा हूं, वैसे ही खुद भी मरोगे?
नहीं ऽऽऽ..
फड़ाक
अचानक बलराज का सिर तुम्बाड़े की तरह फट गया-
एक मोगा, क्या यह जो अचानक मंजर हमने देखा वह सच था या फिर आंखों का भ्रम।
मुझे तो यह सब हमारी आंखों का धोखा लग रहा है।
क्योंकि अब खून की एक बूंद भी कहीं दिखाई नहीं दे रही है।
???
हा हा हा

कुछ ही पहले का भयानक मंजर देखकर उनकी हवा खुश्क थी... इन्हें देख फिर दुबक जाना पड़ा –

नहीं कलावती, अभी तुम लोगों ने जो देखा वह कुछ था। और जो अब देख रहे हो, वह भी सच है
हुंह हुंह
और इसके बाद जो होगा, वह भी सच ही होगा... लेकिन बहुत भयानक सच।
प्रेत अंकल, मैंने अपनी आंखें बंद कर लीं।
?
शेखर, जल्दी से रिवॉल्वर निकालो, और इन्हें शूट कर दो।

अब तक सारे मोहल्ले के उचक्कों की नींद खुल चुकी थी -
अरे... यह तो चेतराम और शोभा को चोर रहे हैं अजीब से प्राणी।
खेरू दादा, कौन घुस आया हमारे मोहल्ले में?
खत्म कर दो इनको!

मेरा पुत्र सौंदर्यशाली मालवा है। मैं पृथ्वी का स्वामी बनूंगा।
मेरे पुत्र अभी बच्चे हैं।

अभी
तुम अंकल।

यह तीनों प्रेत हैं ... इन्हें खोज आसपास-आसपास खोपड़ियों में जाकर इनसाल बंद कर लो। मैं निपट लूंगा
हाहाहा तुम प्रेतों की जान कुर्सी लड़का में कैसे है... हा हा हा
खबरदार ? छोड़ दे मुझे, वहां तेरा खेल नहीं।
हाहाहा... अब तक यह लड़का मेरे कब्जे में है मुझे तोता मेरा खास... कर नहीं सकता
और अब तक तुम मुझ अपना स्वामी मानने का दावा नहीं करते, यह खौल के शिकंजे में रहेगा
???

?
आह !
भगवान को धन्यवाद कि वह ठीक है उसने बच्चे को बचा लिया
हमारी मदद करने आया है शायद।
या फिर हमें पकड़ने

वर इस प्रेत मंडली द्वारा पकड़े जाने से पहले मैं इन दुष्टों का नहीं छोड़ूंगा
चल्सी भागो।

अब क्या साकार भस्म चेला शंखा वेताल के नेत्रों में-
हैं?
नहीं बच सकेगा शंखा

जब कुछ न किया तो कीचड़ बरसाने लगा शंखा अपनी मौत पर-
हा हा हा

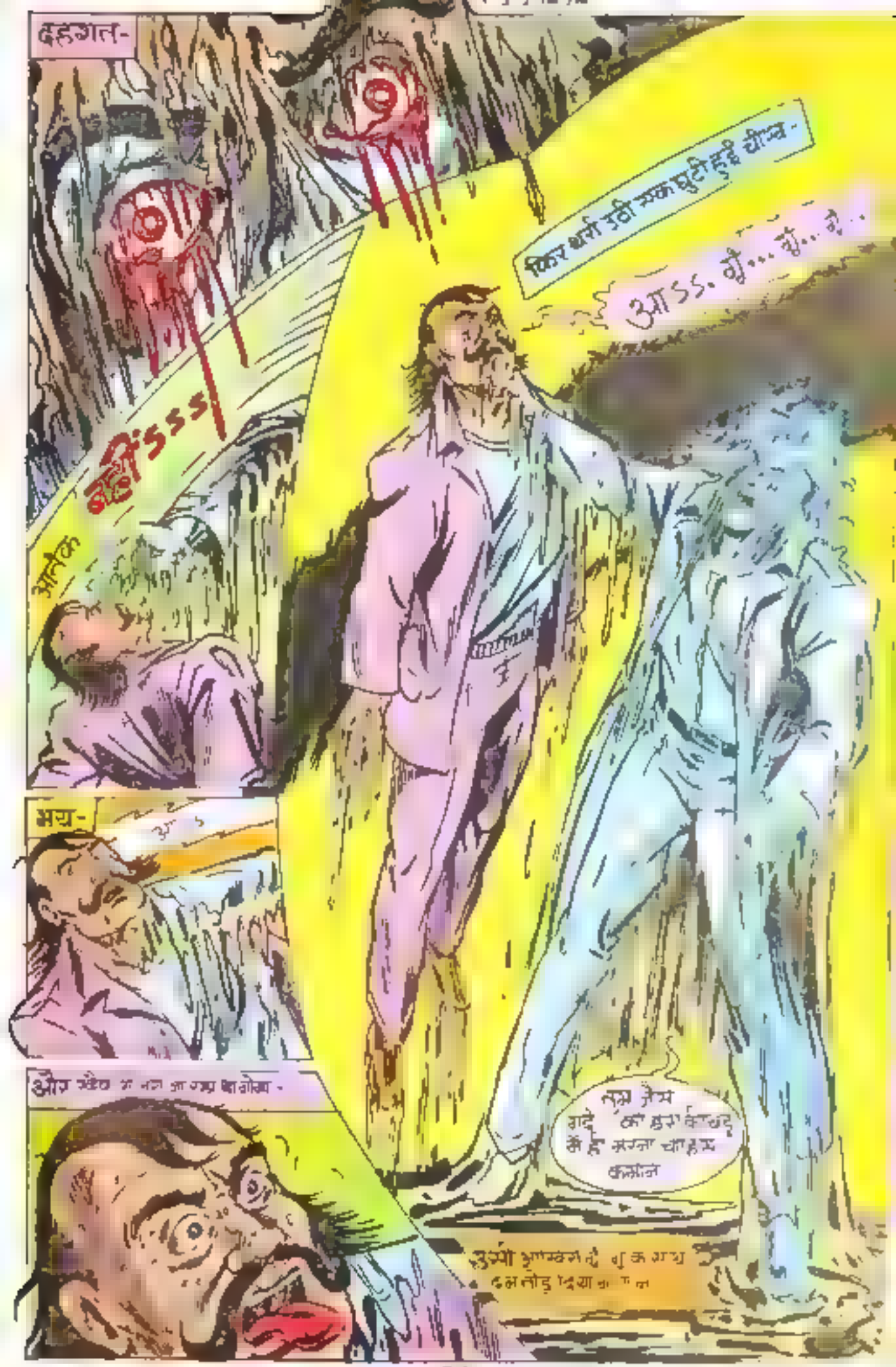
दहशत-
फिर वार की एक घुटी हुई चीख-
आऽऽ... वूं... वूं... वूं...
आतंक
भय-
और अंत में मौत का सन्नाटा छा जाता है-
तुम जैसे गद्दे का कुत्ता कायर ही मरना चाहता कलीम
तुम्हारे आस्तीन में छुपा खंजर
दिल तोड़ दिया

इधर मैं [illegible] का पीछा
मंजू से बचकर कहां जाओगी, आज तू गुई
मंजू अपना प्रभाव डाल चुकी थी

स्योराकर विनीथेप्सो -
औफ
धड़ाम
?
भुक भुक
ओऽऽऽ मेरी नसें फट रही हैं।
अपनी नसों को फटते देख शेक भका रह
आह sss
फटाक
हा हा हा ... देखना यह लड़का पागल है जो कार्ड बेचकर अपने परिवार का पेट पाल रहा है।
और फिर वर्ल्ड के चुड़ैलगिरी से फूटते लड़के स्कूल के कन्वाय।

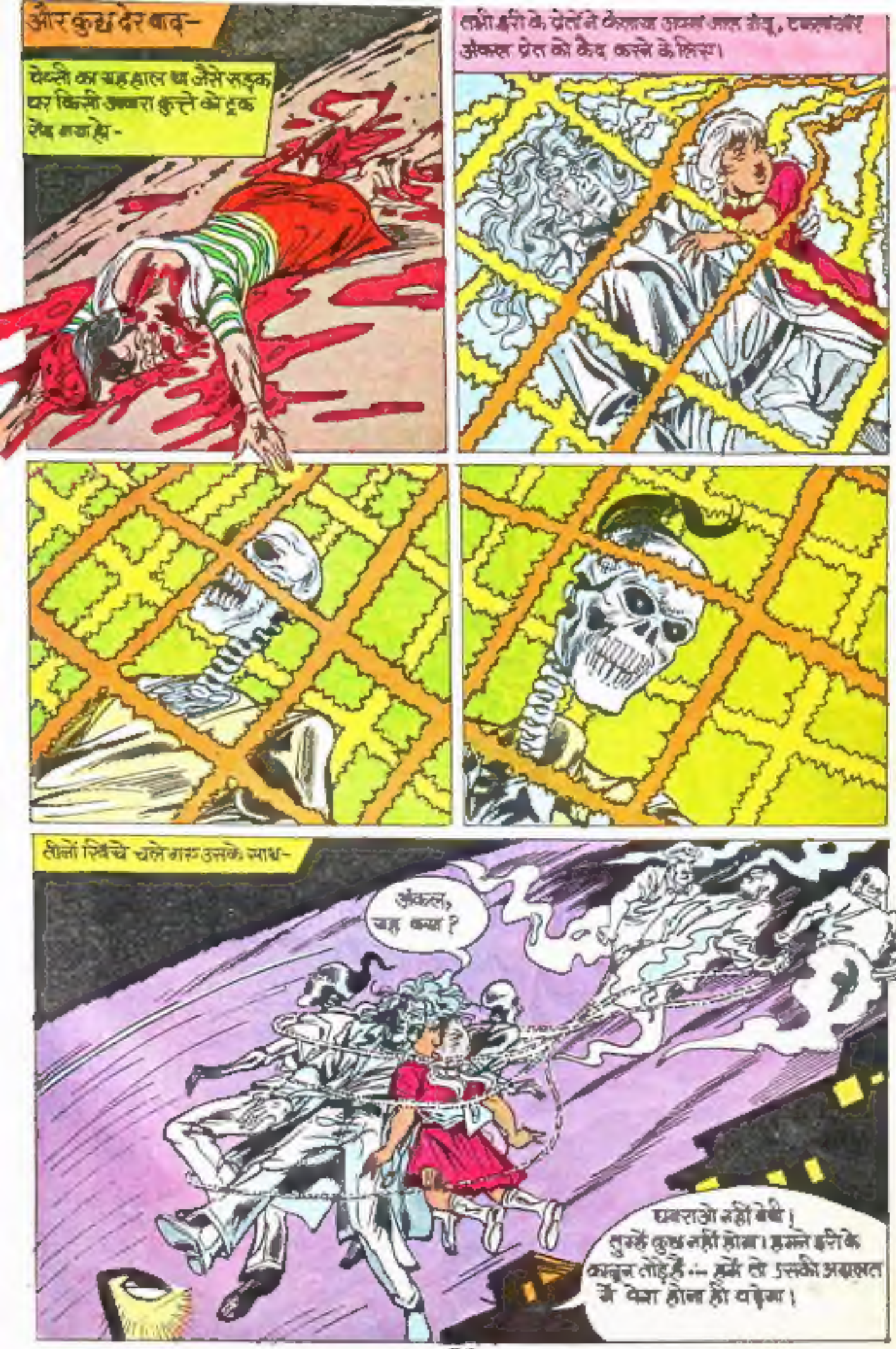
और कुछ देर बाद–
पेम्पी का बदहाल था जैसे सड़क पर किसी आवारा कुत्ते ने टुक रेप कर दिया हो–
तभी हरी के प्रेतों ने केलाश अंकल और बेबू, एक्सटर अंकल प्रेत को कैद करने के लिए।
तीनों सिर नीचे चले गए उसके साथ–
अंकल, यह क्या?
घबराओ नहीं बेबी। तुम्हें कुछ नहीं होगा। हमने हरी के कानून तोड़े हैं — हमें तो उसकी अदालत में पेश होना ही पड़ेगा।

शुक्रा... डरी की-
डरी की अदालत -
तुमने शुक्रा का अमूल्य तोड़ा... अपना प्रतिशोध लिया है... लेकिन अग्नि में जलने का दोष अपराध किया है।
हमने कोई अपराध नहीं किया... कोई प्रतिशोध नहीं लिया... हमारा सिर्फ एक अपराध है, हमने इस बच्ची को उन दरिंदो के हाथों अकाल मौत मरने से बचाया है।
अगर हम उन्हें न मारते तो... वे जानवरों तो यह इस लड़की को जरूर खत्म कर देते।
किसी की जान बचाना यदि अपराध है तो हम सजा भुगतने को तैयार हैं।
"डरी" और डरी की शुक्रा के बारे में जानने के लिए पढ़ें -

और उसने मेरे ते हमें पकड़ने के लिए प्रेतलोकसे यहां भेजा क्यों ?
क्योंकि जिस जादूगरनी को तुमने हत्या की थी, वह मेरी बेटी थी।
क्या आपकी बेटी !
आपकी पुत्री थी वह...
हूं... वह तेज़ विद्या सीख सहज रास्ते पर चल निकली, पर मैं तुझे सही रास्ते पर ले आता... लेकिन तुमने उसे समाप्त कर दिया।
वह सहज मार्ग पर थी...और हमारे हाथों मारी गई। फिर भी आपको क्रोध आया, और प्रतिशोध लेने के लिए हमें नर्क की सज़ा दे रहे हैं...
... तो फिर उसने अपना प्रतिशोध लिया ही है तो कोई बुराई नहीं किया।

हां, इस तरह तो आपने भी सुबह का काफी समय तोड़ा है... अब भी अवसर है।

अवाक न बन या रहा था क्रोध से-

क्या कुछ आप नहीं जानते प्रेतराज... जब आप अपनी बेटी के हत्यारों को खत्म नहीं कर सके, तो हम कैसे माफ कर देते उन दरिन्दों को। जो रक्त मनुष्य का जल के प्यासे थे।

अपने ही बड़े हथियार इसी को-

सचमुच... गलती पर तुम नहीं थे... मैं था। तेरहवें मुझे पाताल में कर दिया था... मुक्ति का अंत होना ही चाहिए था।

फिर भी इस बच्ची का भविष्य अंधकार में है। कैसा करेगा इस मासूम की व्यवस्था?

बेटी... क्या कोई है, जिसके पास तुम रह सको।

मेरा... (सुबुक,) कोई नहीं बच। अब मैं आपके पास ही रहूंगी। प्रेत अंकल और बड़ी अंकल ने प्रेत विद्या सीख दुनिया के सभी प्रेतों को आप जैसा भला बनाऊंगी।

बड़ी... सचमुच तो तुम्हारी पुत्री बाबिस निकली तुमसे... अब इसी को व्यवस्था को अपना कर्तव्य समझिए।

अच्छा मेरी बच्ची!

इस अंकल!